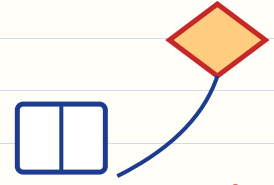


कक्षा 10 · हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') · स्पर्श भाग 2 · गद्य खंड

पाठ 8

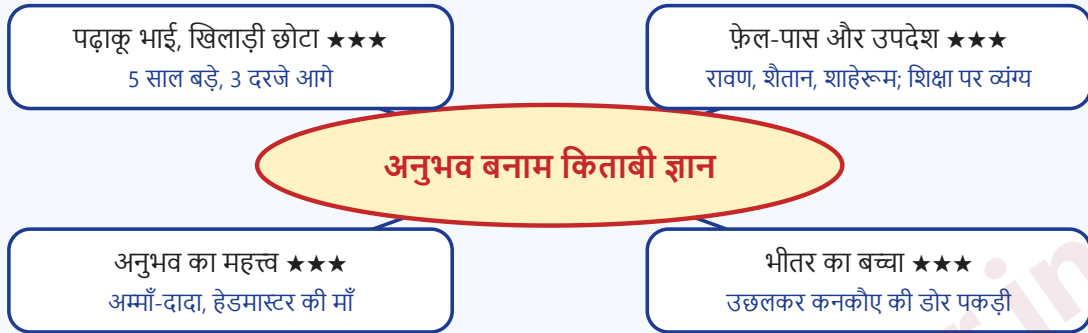
बड़े भाई साहब

प्रेमचंद · कहानी · NCERT स्पर्श भाग 2 · CBSE 085 · 2026-27



किताब बनाम कनकौआ

पाठ का मानचित्र (★ = परीक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण)



लेखक परिचय

प्रेमचंद (मूल नाम **धनपत राय**; 31 जुलाई 1880 – 8 अक्टूबर 1936) का जन्म **बनारस** के निकट **लमही** गाँव में हुआ। उर्दू में '**नवाब राय**', हिंदी में '**प्रेमचंद**' नाम से लिखा। पहला कहानी-संग्रह '**सोज़ेवतन**' अंग्रेज़ सरकार ने ज़ब्त कर लिया। स्कूल मास्टरी, इंस्पेक्टरी, मैनेजरी; '**हंस**', '**माधुरी**' का संपादन; कुछ समय बंबई की फ़िल्म नगरी में। जीवनकाल में ही **कथा सम्राट**, **उपन्यास सम्राट**; उपेक्षित लोगों को प्रमुख पात्र बनाया। कहानियाँ '**मानसरोवर**' (आठ खंड) में; उपन्यास: **गोदान**, **गबन**, **प्रेमाश्रम**, **सेवासदन**, **निर्मला**, **कर्मभूमि**, **रंगभूमि**, **कायाकल्प**, **प्रतिज्ञा**, **मंगलसूत्र** (अपूर्ण)।

★ **परीक्षा-सुझाव**: गद्य खंड का **सबसे अधिक पूछा गया पाठ** (साथ में 'डायरी का एक पन्ना'): 2025–26 में **9 प्रश्न**, जिनमें **3 पूरे गद्यांश** (15 MCQ) और 6 लघु उत्तरीय।

पाठ प्रवेश: 'अभी तुम छोटे हो' सुनकर छोटे बच्चे मन मसोसते हैं; पर बड़ा होना भी आसान नहीं। बड़े को **छोटे के लिए आदर्श** बनना पड़ता है, इसलिए वह बहुत-सी इच्छाएँ दबाता है जो उसकी उम्र के लड़के बेधड़क करते हैं। इस **आदर्श स्थिति** को बनाए रखने के फेर में बड़े भाई साहब का **बचपना तिरोहित** (लुप्त) हो जाता है।

8.1 कहानी का सार ★★★

A. दो भाई, दो स्वभाव

- भाई साहब लेखक (कथावाचक) से **पाँच साल बड़े** पर केवल **तीन दरजे आगे**: वे **बुनियाद पुख्ता** करने के लिए एक साल का काम दो (कभी तीन) साल में करते। **“बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने?”**
- लेखक **नौ साल** का, भाई साहब **चौदह** के; भाई साहब **नौवीं** में, लेखक **पाँचवीं** में (होस्टल में साथ)। उन्हें लेखक की **तम्बीह (डॉट) और निगरानी** का जन्मसिद्ध अधिकार; लेखक की शालीनता उनके **हुक्म को कानून** समझने में।
- भाई साहब **अध्ययनशील**: हरदम किताब खोले बैठे रहते; **दिमाग को आराम** देने के लिए कॉपी और किताब के हाशियों पर **चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तसवीरें** बनाते, एक ही शब्द/वाक्य दस-बीस बार लिखते, शेर सुंदर अक्षरों में नकल करते, बेमतलब शब्द-रचना करते (‘स्पेशल, अमीना, भाइयों-भाइयों...’)
- लेखक का जी पढ़ने में न लगता; **एक घंटा किताब लेकर बैठना पहाड़**। मौका पाते ही मैदान में: **कंकरियाँ उछालना, कागज़ की तितलियाँ उड़ाना**, चारदीवारी पर चढ़ना-कूदना, गुल्ली-डंडा।
- लौटते ही भाई साहब का **पहला सवाल**: **“कहाँ थे?”** फिर **उपदेश और फटकार**: **“अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं... दादा की गाढ़ी कमाई के रुपये क्यों बरबाद करते हो?”**
- डॉट के बाद लेखक **टाइम-टेबिल** बनाता (6–8 अंग्रेज़ी, 8–9 हिसाब...), जिसमें **खेलकूद की मद ही उड़ जाती**; पर पहले ही दिन मैदान की **सुखद हरियाली, हवा के झोंके, फुटबॉल-वॉलीबॉल** खींच ले जाते; टाइम-टेबिल भूल जाता।

B. पहला परिणाम: भाई फ़ेल, छोटा अव्वल

- सालाना इम्तिहान: **भाई साहब फ़ेल, लेखक पास और दरजे में प्रथम**। दोनों में **दो साल (दरजों) का अंतर** रह गया।
- लेखक के मन में आया कि भाई साहब को **आड़े हाथों** ले (‘‘आपकी घोर तपस्या कहाँ गई?’’), पर वे इतने **दुखी-उदास** थे कि **दिली हमदर्दी** हुई; उनके **घाव पर नमक छिड़कना लज्जास्पद** लगा। फिर भी उसका **अभिमान, आत्मसम्मान** बढ़ा, भाई साहब का **रौब-आतंक** घटा; खेलकूद में खुलकर शरीक होने लगा।

C. भाई साहब का लंबा उपदेश (सूक्ति-बाण)

- **“घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा”**: **रावण** (चक्रवर्ती राजा, देवता गुलाम, पर घमंड ने नाम-निशान मिटा दिया, चुल्लू भर पानी देने वाला न बचा), **शैतान** (सबसे बड़ा भक्त होने का अभिमान, स्वर्ग से नरक), **शाहेरूम** (भीख माँगते-माँगते मर गया)।
- **“इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।”**
- अपने दरजे की कठिनाई: **अलजबरा-जामेद्री के लोहे के चने, इंगलिस्तान का इतिहास, आठ-आठ हेनरी**; ‘समय की पाबंदी’ पर **चार पन्ने का निबंध** और उसी को ‘संक्षेप में’ लिखने का आदेश: **परीक्षकों और शिक्षा-व्यवस्था पर व्यंग्य**। **“मेरे दरजे में आओगे, तो दाँतों पसीना आ जाएगा।”**

D. दूसरा परिणाम: फिर भाई फ़ेल

- अगले साल फिर **लेखक पास और अव्वल**, भाई साहब **फिर फ़ेल**। अब केवल **एक दरजे का अंतर**; लेखक के मन में **कुटिल भावना**: भाई साहब एक साल और फ़ेल हों तो बराबर हो जाऊँ।
- भाई साहब **नरम** पड़ गए; लेखक ने इसका **नाजायज़ फ़ायदा** उठाया: पढ़ना बंद, **कनकौए (पतंग) उड़ाने** का नया शौक; फिर भी उनका **अदब** करता और नज़र बचाकर पतंग उड़ाता।

E. अनुभव का पाठ और भीतर का बच्चा

- एक दिन कनकौआ लूटने दौड़ते लेखक को भाई साहब ने **बाज़ार में पकड़** लिया: **“आठवीं जमात में आकर बाज़ारी लौंडों के साथ धेले के कनकौए के लिए दौड़ते शर्म नहीं आती?”**

- "मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ... यह अंतर खुदा भी नहीं मिटा सकता।" समझ किताबें पढ़ने से नहीं, दुनिया देखने (अनुभव) से आती है: अम्माँ ने कोई दरजा पास नहीं किया, दादा पाँचवीं-छठी तक; फिर भी वे हमें समझाने-सुधारने का अधिकार रखते हैं। बीमारी में तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे, दादा सँभाल लेंगे; दादा ने हमारे आधे खर्च में नौ आदमियों का परिवार चलाया। हेडमास्टर साहब (ऑक्सफ़ोर्ड के एम.ए.) का घर उनकी बूढ़ी माँ चलाती हैं।
- लेखक ने सजल आँखों से कहा: "आप जो कह रहे हैं, सच है; आपको अधिकार है।" भाई साहब ने गले लगाया: "मैं कनकौए उड़ाने को मना नहीं करता। मेरा भी जी ललचाता है; लेकिन खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ?"
- तभी एक कटा कनकौआ ऊपर से गुज़रा; लंबे भाई साहब ने उछलकर उसकी डोर पकड़ ली और होस्टल की तरफ़ दौड़े; लेखक पीछे-पीछे। भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा था।

8.2 पात्र, प्रमुख कथन और भाषा ★★★

बड़े भाई साहब: अध्ययनशील, परिश्रमी, पर रतंत (बिना समझे पढ़ने वाले); कर्तव्यनिष्ठ (छोटे भाई की देखभाल को अपना कर्तव्य मानते); उपदेश की कला में निपुण (सूक्ति-बाण); अनुशासनप्रिय, गंभीर; अनुभव को महत्त्व देने वाले; आत्म-संयमी: छोटे भाई के लिए आदर्श बने रहने को अपनी इच्छाएँ दबाते; सहेही (गले लगाया); भीतर से बच्चे (कनकौए की डोर पकड़ी)। हितैषी: छोटे भाई का भला चाहते।

छोटा भाई (लेखक): खेलप्रेमी, चंचल; प्रतिभाशाली (ज़हीन): कम पढ़कर भी अव्वल; बड़े भाई का आदर करने वाला (आड़े हाथों लेने का विचार भी लज्जास्पद लगा; नज़र बचाकर पतंग उड़ाता); संवेदनशील (हमदर्दी); कभी-कभी घमंड और कुटिलता (एक साल और फ़ेल होने की कामना); अंत में सजल आँखों से भाई साहब की बात मानता।

बड़े भाई को इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

वे बड़े थे, छोटे भाई के लिए आदर्श (मिसाल) बनना था। यदि वे स्वयं खेलते-कूदते, पतंग उड़ाते (बेराह चलते), तो छोटे भाई को कैसे रोकते-समझाते? इसलिए कर्तव्य-भाव से अपनी इच्छाएँ दबाते रहे और उनका बचपना खो गया।

शिक्षा-व्यवस्था पर व्यंग्य ★★

- रतंत विद्या: समझ नहीं, रटना; 'हेनरी सातवें की जगह आठवाँ लिखा, सब नंबर गायब'।
- अनावश्यक, बोझिल विषय: अलजबरा-जामेट्री, इंगलिस्तान का इतिहास, आठ-आठ हेनरी के नाम।
- अव्यावहारिक कार्य: 'समय की पाबंदी' पर चार पन्ने का निबंध, 'संक्षेप में'।
- परीक्षा-केंद्रित प्रणाली; परीक्षकों की मनमानी; जीवन से कटी शिक्षा।

प्रमुख कथन और आशय

"बुनियाद ही पुरख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने?" नींव मज़बूत हो तभी भवन टिकाऊ बनता है; शिक्षा में मूल बातों की गहरी समझ ज़रूरी; (भाई साहब के फ़ेल होने पर व्यंग्य भी)।

"इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।" केवल परीक्षा पास करना शिक्षा का उद्देश्य नहीं; पढ़ी हुई बात का अभिप्राय समझना, उससे सीखना ही असली शिक्षा है।

"जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।" जैसे मनुष्य मृत्यु निश्चित जानकर भी मोह-माया नहीं छोड़ता, वैसे ही लेखक डाँट खाकर भी खेल का आकर्षण नहीं छोड़ पाता था; दृष्टांत खेल के प्रति गहरे लगाव को दिखाने के लिए।

"आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मंद गति से झूमता पतन की ओर चला आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नए संस्कार ग्रहण करने जा रही हो।" कटी पतंग धीरे-धीरे झूमती हुई नीचे आ रही थी, जैसे कोई आत्मा स्वर्ग से उदासीन होकर नया जन्म लेने धरती पर आ रही हो; लेखक का मन पूरी तरह पतंग में लीन था।

“मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा।” कक्षा का अंतर मिट सकता है, पर **उम्र और अनुभव** का अंतर कोई नहीं मिटा सकता।

“खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ?” बड़े भाई का **त्याग और कर्तव्य-बोध**।

भाषा-शैली

मुहावरेदार, पैनी भाषा (हर अनुच्छेद में दो-तीन मुहावरे): पहाड़ होना, सूक्ति-बाण चलाना, जिगर के टुकड़े होना, आड़े हाथों लेना, घाव पर नमक छिड़कना, दाँतों पसीना आना, लोहे के चने चबाना, आटे-दाल का भाव मालूम होना, हाथ-पाँव फूलना, सिर पर नंगी तलवार लटकना; **उर्दू-अंग्रेज़ी** शब्द (तालीम, फ़ज़ीहत, टाइम-टेबिल, स्कीम); **आत्मकथात्मक** शैली, **व्यंग्य और हास्य**।

NCERT प्रश्न-अभ्यास, पूरी तरह हल

मौखिक

1. कथा नायक की रुचि किन कार्यों में थी?

उत्तर: **खेलकूद** में: कंकरियाँ उछालना, कागज़ की तितलियाँ उड़ाना, चारदीवारी पर चढ़ना-कूदना, गुल्ली-डंडा, फुटबॉल-वॉलीबॉल, **कनकौए (पतंग) उड़ाना**।

2. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

उत्तर: “**कहाँ थे?**”

3. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर: वह **स्वच्छंद और लापरवाह** हो गया; भाई साहब की नरमी का फ़ायदा उठाकर पढ़ना छोड़ दिया और **कनकौए उड़ाने** में समय बिताने लगा; मन में अभिमान आ गया।

4. बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे और वे कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

उत्तर: वे **पाँच साल** बड़े थे और **नौवीं कक्षा** में पढ़ते थे (छोटा भाई पाँचवीं में)।

5. बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

उत्तर: कॉपी और किताब के हाशियों पर **चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तसवीरें** बनाते; एक ही नाम, शब्द या वाक्य **दस-बीस बार** लिखते; शेर को सुंदर अक्षरों में नकल करते; बेमतलब शब्द-रचना करते।

लिखित (क) 25-30 शब्द

1. छोटे भाई ने टाइम-टेबिल बनाते समय क्या सोचा और उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

उत्तर: उसने सोचा कि अब **खूब जी लगाकर पढ़ेगा**; सुबह छह बजे से रात ग्यारह तक हर विषय का समय तय किया, **खेलकूद को स्थान ही नहीं** दिया। पर पहले ही दिन **मैदान की हरियाली, हवा के झोंके, फुटबॉल-वॉलीबॉल** की उछल-कूद उसे खींच ले गई; खेल के प्रति प्रबल आकर्षण और कठोर टाइम-टेबिल के कारण पालन न कर सका।

2. गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई के सामने पहुँचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर: भाई साहब ने मानो **तलवार खींच ली** और उस पर टूट पड़े: इस साल अब्बल आ गए तो **दिमाग हो गया** (घमंड हो गया); **रावण, शैतान, शाहेरूम** के उदाहरण देकर घमंड न करने का उपदेश दिया और अपने दरजे की कठिन पढ़ाई का भयंकर चित्र खींचा।

3. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

उत्तर: बड़ा होने के नाते उन्हें छोटे भाई के सामने **आदर्श** प्रस्तुत करना था; यदि वे स्वयं खेलते-कूदते, तो छोटे भाई को **सही राह** पर कैसे रखते? **कर्तव्य-बोध** के कारण उन्हें इच्छाएँ दबानी पड़ती थीं।

4. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

उत्तर: वे सलाह देते कि **खेलकूद में समय बरबाद न करो**, मन लगाकर पढ़ो, **घमंड न करो**; अंग्रेज़ी पढ़ना हँसी-खेल नहीं; दादा की **गाढ़ी कमाई** बरबाद न करो। **क्यों:** वे उसके **हितैषी** थे, उसका भविष्य उज्ज्वल देखना चाहते थे।

5. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया?

उत्तर: वह **पढ़ाई से लापरवाह** हो गया, भाई साहब के डर से जो थोड़ा पढ़ता था, वह भी छोड़ दिया; सारा समय **पतंगबाज़ी** में बिताने लगा।

लिखित (ख) 50-60 शब्द

1. बड़े भाई की डाँट-फटकार न मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता?

उत्तर: **संभवतः नहीं।** छोटा भाई स्वभाव से खेलप्रेमी था; बड़े भाई के **डर और डाँट** से ही वह थोड़ा-बहुत पढ़ लेता था, टाइम-टेबिल बनाता था, रोज़ का 'टास्क' पूरा करता था। जब भाई साहब नरम पड़े, तो उसने पढ़ना ही छोड़ दिया। अतः उसकी सफलता में भाई साहब के **अंकुश और मार्गदर्शन** का बड़ा योगदान था; साथ ही उसकी अपनी **प्रतिभा** भी।

2. लेखक ने शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप सहमत हैं?

उत्तर: (1) **रटंत विद्या** पर, समझ पर नहीं; (2) **परीक्षा-केंद्रित** शिक्षा: अंक ही सब कुछ; (3) **अव्यावहारिक, बोझिल** विषय (इंगलिस्तान का इतिहास, आठ हेनरी, अलजबरा); (4) बेतुके काम (समय की पाबंदी पर चार पन्ने 'संक्षेप में'); (5) **परीक्षकों की मनमानी। सहमत हूँ:** शिक्षा का उद्देश्य **बुद्धि का विकास और जीवन-कौशल** होना चाहिए; राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी समझ आधारित शिक्षा पर बल देती है।

3. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

उत्तर: जीवन की समझ **किताबें पढ़ने** से नहीं, बल्कि **अनुभव और दुनिया देखने** से आती है। उदाहरण: **अम्माँ** अनपढ़, **दादा** कम पढ़े, फिर भी घर-गृहस्थी, बीमारी, खर्च सँभालने में कुशल; **हेडमास्टर** (ऑक्सफ़ोर्ड एम.ए.) का घर उनकी **बूढ़ी माँ** चलाती हैं।

4. छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?

उत्तर: जब भाई साहब ने बताया कि वे भी कनकौए उड़ाना चाहते हैं, पर **छोटे भाई की रक्षा के कर्तव्य** के कारण अपनी इच्छाएँ दबाते हैं, और **अनुभव** के महत्त्व की बात समझाई, तब छोटे भाई को उनके **त्याग, स्नेह और कर्तव्य-भावना** का एहसास हुआ; इससे श्रद्धा उत्पन्न हुई।

5. बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: अध्ययनशील, परिश्रमी, गंभीर, **कर्तव्यनिष्ठ**, अनुशासनप्रिय, **उपदेश-कुशल**, आत्म-संयमी (त्यागी), अनुभव को महत्त्व देने वाले, **स्नेही और हितैषी**, भीतर से बालसुलभ।

6. बड़े भाई ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा?

उत्तर: **अनुभव** को: किताबी ज्ञान से परीक्षा पास हो सकती है, पर **जीवन की व्यावहारिक समस्याएँ** (बीमारी, घर का प्रबंध, खर्च) अनुभव से ही सुलझती हैं। अनपढ़ अम्माँ-दादा और हेडमास्टर की माँ इसके उदाहरण हैं।

7. पाठ के किन अंशों से पता चलता है कि—

उत्तर: (क) **आदर:** "मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ"; आड़े हाथों लेने का विचार लज्जास्पद लगा; नज़र बचाकर पतंग उड़ाता था। (ख) **अनुभव:** अम्माँ-दादा और हेडमास्टर की माँ के उदाहरण; बीमारी में दादा का धैर्य। (ग) **भीतर का बच्चा:** "मेरा भी जी ललचाता है"; कटा कनकौआ देखकर उछलकर डोर पकड़ी और होस्टल की ओर दौड़े। (घ) **भला चाहते:** "खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ?"; दादा की गाढ़ी कमाई की याद।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए

1. इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

उत्तर: केवल परीक्षा में अंक लाना शिक्षा का उद्देश्य नहीं; जो पढ़ें उसका **अर्थ समझें**, उससे **सीख लें** (जैसे रावण से घमंड न करने की सीख) और उसे जीवन में उतारें: यही बुद्धि का विकास है।

2. फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

उत्तर: मनुष्य जानता है कि मृत्यु निश्चित है, फिर भी मोह-माया नहीं छोड़ पाता; उसी प्रकार लेखक भाई साहब की **डाँट-फटकार** खाकर भी **खेलकूद नहीं छोड़** पाता था। खेल उसके लिए अटूट आकर्षण था।

3. बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने?

उत्तर: जैसे मज़बूत नींव पर ही टिकाऊ भवन बनता है, वैसे ही शिक्षा की **नींव (मूल अवधारणाएँ)** मज़बूत हो तभी आगे का ज्ञान टिकता है। भाई साहब अपने बार-बार फ़ेल होने को इसी तर्क से उचित ठहराते थे (व्यंग्य)।

4. आँखें आसमान की ओर थीं... नए संस्कार ग्रहण करने जा रही हो।

उत्तर: लेखक कटी पतंग लूटने दौड़ रहा था; उसकी आँखें और मन उस **धीरे-धीरे झूमती हुई नीचे आती पतंग** पर टिके थे। पतंग ऐसी लग रही थी मानो कोई आत्मा स्वर्ग से **उदासीन (विरक्त)** होकर नया जन्म लेने धरती पर आ रही हो।

भाषा-अध्ययन

1. पर्यायवाची।

उत्तर: नसीहत: सलाह, उपदेश · रोष: क्रोध, गुस्सा · आज़ादी: स्वतंत्रता, स्वाधीनता · राजा: नृप, महीप · ताज्जुब: आश्चर्य, अचंभा

2. मुहावरों का वाक्य-प्रयोग।

उत्तर: **सिर पर नंगी तलवार लटकना** (हर समय संकट): परीक्षा पास आते ही सिर पर नंगी तलवार लटकी लगती है। **आड़े हाथों लेना** (खरी-खोटी सुनाना): गलती करने पर पिताजी ने उसे आड़े हाथों लिया। **अंधे के हाथ बटेर लगना** (अयोग्य को संयोग से सफलता): बिना पढ़े पास होना तो अंधे के हाथ बटेर लगना है। **लोहे के चने चबाना** (बहुत कठिन काम): आई.ए.एस. पास करना लोहे के चने चबाना है। **दाँतों पसीना आना** (कठिन परिश्रम): पहाड़ चढ़ते-चढ़ते दाँतों पसीना आ गया। **ऐरा-गैरा नल्यू खैरा** (साधारण, महत्त्वहीन व्यक्ति): हर ऐरे-गैरे नल्यू खैरे को घर में मत घुसने दो।

3. तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्द छाँटिए।

तत्सम	तद्भव	देशज	आगत
चेष्टा, सूक्तिबाण, आधिपत्य, प्रातःकाल, विद्वान, निपुण, अवहेलना	पन्ना, जानलेवा, आँखफोड़, भाई साहब, फटकार	घुड़कियाँ, मेला-तमाशा	तालीम, जल्दबाज़ी, पुख्ता, हाशिया, जमात, हर्फ़, मसलन (उर्दू/अरबी-फ़ारसी); स्पेशल, स्कीम, टाइम-टेबिल (अंग्रेज़ी)

4. सकर्मक या अकर्मक?

उत्तर: (क) उन्होंने वहीं हाथ पकड़ लिया: **सकर्मक** (ख) फिर चोरों-सा जीवन कटने लगा: **अकर्मक** (ग) शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा: **सकर्मक** (घ) मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता: **सकर्मक** (ङ) समय की पाबंदी पर एक निबंध लिखो: **सकर्मक** (च) मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था: **अकर्मक**

5. 'इक' प्रत्यय।

उत्तर: विचार → वैचारिक · इतिहास → ऐतिहासिक · संसार → सांसारिक · दिन → दैनिक · नीति → नैतिक · प्रयोग → प्रायोगिक · अधिकार → आधिकारिक

शब्दार्थ (चुने हुए)

तालीम = शिक्षा; पुख्ता = मज़बूत; तम्बीह = डाँट-डपट; जमात = कक्षा; हर्फ़ = अक्षर; सूक्ति-बाण = तीखी बातें; नसीहत = सलाह; फ़ज़ीहत = अपमान; अव्वल = प्रथम; महीप = राजा; मुमतहिन = परीक्षक; हिमाकत = बेवकूफी; कनकौआ = पतंग; अदब = इज़्ज़त; ज़हीन = प्रतिभावान; तजुरबा = अनुभव; बदहवास = बेहाल; मुहताज = आश्रित; प्राणांतक = प्राण लेने वाला।

परियोजना: छात्रावास में रहने वाले छोटे भाई को पत्र (संकेत)

उत्तर: पता, दिनांक, संबोधन (प्रिय अनुज), कुशल-क्षेम; पढ़ाई और खेल में **संतुलन**, समय-सारणी, स्वास्थ्य, अच्छी संगति, अनावश्यक खर्च से बचना; शुभाशीष; 'तुम्हारा अग्रज'।

CBSE बोर्ड प्रश्न 2025-2026, हल सहित

11 प्रश्न-पत्रों में इस पाठ से पूछे गए सभी 9 प्रश्न (3 गद्यांश + 6 लघु उत्तरीय), अंक-योजना के अनुसार उत्तर सहित।

A. पठित गद्यांश (5 × 1)

CBSE 2025 · 4/1/1

गद्यांश: 'इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा ... अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।'

- (i) रावण का उदाहरण किस उद्देश्य से? (A) छोटे भाई को अभिमान के दुष्परिणामों से अवगत कराने (B) रावण के दुखदायी अंत से परिचित कराने (C) रावण को अंग्रेजों से अधिक शक्तिशाली बताने (D) रावण के साम्राज्य से परिचित कराने
- (ii) रावण को चक्रवर्ती कहे जाने का प्रमुख कारण: (A) देवताओं को नियंत्रण में रखना (B) संपूर्ण संसार पर आधिपत्य स्थापित करना (C) मनमाना कर वसूलना (D) राज्य का दूर तक विस्तार
- (iii) कथन: इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। कारण: वास्तविक ज्ञान बौद्धिक ज्ञान है जो जीवन को सार्थक बनाता है। (A) दोनों गलत (B) दोनों सही, सही व्याख्या (C) कथन गलत, कारण सही (D) कथन सही, कारण गलत व्याख्या
- (iv) कॉलम मिलान: 1. नाम-निशान मिटा देना 2. चुल्लू भर पानी न देना 3. दीन-दुनिया से जाना / 1. कहीं का नहीं रहना II. अस्तित्व समाप्त करना III. थोड़ी भी सहायता न करना (A) 1-III, 2-II, 3-I (B) 1-I, 2-III, 3-II (C) 1-II, 2-III, 3-I (D) 1-II, 2-I, 3-III
- (v) मूल भाव: I. घमंड नहीं करना चाहिए II. शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान के साथ बौद्धिक विकास III. देवताओं का अनादर नहीं IV. किताबें पढ़कर ही शिक्षा (A) केवल IV (B) केवल II (C) I और II (D) I और IV [5]

उत्तर: (i) (A) (ii) (B) (iii) (B) (iv) (C) 1-II, 2-III, 3-I (v) (C) I और II

CBSE 2025 · 4/2/1

गद्यांश: 'मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया ... भाई साहब का वह आतंक मुझ पर नहीं था।'

- (i) 'दो साल का अंतर' किस अंतर की बात? (A) आयु (B) कक्षा (C) अनुभव (D) कद-काठी
- (ii) आड़े हाथों लेने का विचार क्यों आया? (A) भाई के लगातार दो बार फ़ेल होने (B) भाई के फ़ेल होने और स्वयं के प्रथम आने (C) खेलते-कूदते भी अव्वल आने (D) बढ़ते अभिमान के कारण
- (iii) गद्यांश की भाषा: (A) तत्सम शब्दावली (B) लोकोक्तियों से युक्त (C) देशज शब्दावली (D) मुहावरों से युक्त
- (iv) परीक्षा परिणाम का प्रभाव: I. अभिमान-सम्मान बढ़ा II. अपमानित करने की योजना III. भाई के साथ अधिक समय IV. खेलकूद में अधिक समय (A) केवल I (B) I, II (C) I, IV (D) II, III
- (v) कथन: फ़ज़ीहत का विचार लज्जास्पद लगा। कारण: फ़ेल होने से वे दुखी-उदास थे। (A) कथन गलत, कारण सही (B) दोनों गलत (C) दोनों सही, सही व्याख्या (D) दोनों सही, सही व्याख्या नहीं [5]

उत्तर: (i) (B) कक्षा (ii) (B) (iii) (D) मुहावरों से युक्त (iv) (C) I और IV (v) (C)

CBSE 2025 · 4/3/1 गद्यांश: 'अपने हेडमास्टर साहब को ही देखो ... तुम्हें मेरी बातें ज़हर लग रही हैं।'

- (i) हेडमास्टर और उनकी माताजी का उदाहरण किस उद्देश्य से? (A) संबंध बताने (B) छोटे भाई को जीवन में अनुभव का महत्व बताने (C) अपना प्रभुत्व जमाने (D) हेडमास्टर का खर्चीला स्वभाव दिखाने
- (ii) 'डिग्री यहाँ बेकार हो गई': 'यहाँ' से अभिप्राय (A) स्कूल प्रबंधन (B) घर के प्रबंधन में (C) समय प्रबंधन (D) कर्जदारों के प्रबंधन
- (iii) 'एम.ए. हैं... ऑक्सफ़ोर्ड के' में कटाक्ष: (A) विदेश जाकर पढ़ने पर (B) अधिक शिक्षित होने पर (C) भारतीय संस्थानों से अधिक विदेशी संस्थानों को महत्व देने पर (D) विदेशी लोगों को महत्व देने पर
- (iv) भाई साहब के चरित्र के विषय में: (A) उपदेश में निपुण (B) बल-प्रयोग करते (C) नियंत्रण नहीं खोना चाहते (D) अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों के प्रति सचेत
- (v) कथन: मेरे देखते तुम बेराह न चलने पाओगे। कारण: छोटे भाई की देखभाल बड़े भाई की ज़िम्मेदारी है। (A) दोनों गलत (B) कथन गलत, कारण सही (C) दोनों सही, सही व्याख्या (D) कथन सही, कारण सही व्याख्या नहीं

[5]

उत्तर: (i) (B) (ii) (B) घर के प्रबंधन में (iii) (C) (iv) (D) (v) (C)

B. लघु उत्तरीय (2 अंक)

CBSE 2026 · 4/3/1 सिद्ध कीजिए कि समय से पूर्व ज़िम्मेदारियाँ मिलने से बच्चों का बचपना कहीं खो जाता है।

[2]

उत्तर: बड़े भाई साहब केवल **चौदह साल** के थे, पर छोटे भाई की **देखभाल और निगरानी** की ज़िम्मेदारी के कारण उन्हें हर समय **आदर्श** बने रहना पड़ा। वे स्वयं भी **कनकौए उड़ाना चाहते** थे ("मेरा भी जी ललचाता है"), पर इच्छाएँ दबाते रहे; खेलकूद छोड़कर गंभीर, उपदेशक बन गए। इस प्रकार **आदर्श स्थिति बनाए रखने के फेर में उनका बचपना तिरोहित** हो गया।

CBSE 2026 · 4/2/1 पाठ में मोह और माया के बंधन में जकड़े व्यक्ति का दृष्टांत किस उद्देश्य से दिया गया है?

[2]

उत्तर: यह दिखाने के लिए कि जैसे **मौत और विपत्ति** सामने देखकर भी मनुष्य **मोह-माया** नहीं छोड़ पाता, वैसे ही लेखक भाई साहब की **फटकार और घुड़कियाँ** खाकर भी **खेलकूद का आकर्षण** नहीं छोड़ पाता था; खेल के प्रति उसका **अटूट लगाव** स्पष्ट करने के लिए।

CBSE 2026 · 4/1/1 भाई साहब की दृष्टि में अंग्रेज़ी पढ़ना हँसी-खेल नहीं था। आपको कौन-सा विषय पढ़ना हँसी-खेल नहीं लगता और क्यों? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

[2]

उत्तर: (स्वतंत्र उत्तर; नमूना) मुझे **गणित** पढ़ना हँसी-खेल नहीं लगता: (1) इसमें **सूत्रों और अवधारणाओं की गहरी समझ** चाहिए, रटने से काम नहीं चलता; (2) **नियमित अभ्यास** के बिना प्रश्न हल नहीं होते; एक छोटी गलती से पूरा उत्तर गलत हो जाता है।

CBSE 2025 · 4/6/1 'बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने?' इस कथन के माध्यम से क्या सीख मिलती है?

[2]

उत्तर: किसी भी कार्य या शिक्षा की **नींव मज़बूत** होनी चाहिए; मूल बातों को **गहराई से समझकर** ही आगे बढ़ना चाहिए, तभी ज्ञान स्थायी होता है। जल्दबाज़ी या रटकर पढ़ा गया ज्ञान टिकता नहीं।

CBSE 2025 · 4/5/1 अंग्रेज़ी भाषा पढ़ने के विषय में बड़े भाई साहब के क्या विचार थे? इस विषय में आपका क्या दृष्टिकोण है?

[2]

उत्तर: भाई साहब: अंग्रेज़ी पढ़ना **हँसी-खेल नहीं**; इसके लिए **रात-दिन आँखें फोड़नी** और खून जलाना पड़ता है; बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख पाते। **मेरा दृष्टिकोण:** अंग्रेज़ी **नियमित**

अभ्यास (पढ़ना, सुनना, बोलना) से सहज सीखी जा सकती है; यह उपयोगी भाषा है, पर अपनी मातृभाषा का सम्मान भी उतना ही ज़रूरी है।

CBSE 2025 · 4/4/1

पढ़ाई के प्रति बड़े भाई साहब और छोटे भाई की सोच में क्या अंतर था?

[2]

उत्तर: बड़े भाई: पढ़ाई को अत्यंत **गंभीर, कठिन तपस्या** मानते; हर समय किताब खोले रहते; रटने पर बल; खेल को समय की बरबादी मानते। **छोटा भाई:** पढ़ाई को **बोझ** मानता ('एक घंटा किताब लेकर बैठना पहाड़'), **खेलकूद** को प्राथमिकता देता, फिर भी प्रतिभा से अव्वल आता; पढ़ाई और खेल में **संतुलन** का पक्षधर।

बोर्ड ने क्या पूछा

प्रकार	2025	2026	कुल
गद्यांश (5 MCQ)	3	0	3
लघु उत्तरीय (2 अंक)	3	3	6

★ **परीक्षा-सुझाव:** 2025 में **तीन क्षेत्रों** में इसी पाठ से गद्यांश आया: **रावण वाला, 'दो साल का अंतर', हेडमास्टर की माँ**। इन तीनों अंशों के मुहावरे और भाव अवश्य पढ़ें।

गद्यांश अभ्यास (उत्तर अंत में)

भाई साहब ने मुझे गले से लगा लिया और बोले—मैं कनकौए उड़ाने को मना नहीं करता। मेरा भी जी ललचाता है; लेकिन कर्लू क्या, खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ? यह कर्तव्य भी तो मेरे सिर है। संयोग से उसी वक्त एक कटा हुआ कनकौआ हमारे ऊपर से गुज़रा। उसकी डोर लटक रही थी। लड़कों का एक गोल पीछे-पीछे दौड़ा चला आता था। भाई साहब लंबे हैं ही। उछलकर उसकी डोर पकड़ ली और बेतहाशा होस्टल की तरफ़ दौड़े। मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था।

(i) भाई साहब कनकौए क्यों नहीं उड़ाते थे? (A) उन्हें पसंद नहीं था (B) छोटे भाई की रक्षा के कर्तव्य के कारण (C) पैसे नहीं थे (D) डर लगता था (ii) 'बेराह चलना' का अर्थ: (A) गलत रास्ते पर चलना (B) तेज़ चलना (C) रास्ता भूलना (D) अकेले चलना (iii) डोर पकड़ने की घटना से पता चलता है: (A) भाई साहब लंबे थे (B) भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा था (C) वे पतंग चोर थे (D) वे खिलाड़ी थे (iv) 'गोल' का यहाँ अर्थ: (A) गोलाकार (B) गेंद (C) झुंड, समूह (D) गोली

त्वरित दोहराव (Quick-reference)

प्रश्न	उत्तर
लेखक	प्रेमचंद (धनपत राय), 1880–1936, लमही
उम्र	छोटा 9, बड़ा 14 (पाँच साल अंतर)
कक्षा	भाई साहब नौवीं, छोटा पाँचवीं (तीन दरजे)
पहला सवाल	"कहाँ थे?"
दिमाग का आराम	तसवीरें, एक शब्द दस-बीस बार, शेर
परिणाम	दो बार: छोटा अव्वल, बड़ा फ़ेल
घमंड के उदाहरण	रावण, शैतान, शाहेरूम
कठिन पढ़ाई	अलजबरा, जामेट्री, इंगलिस्तान का इतिहास, आठ हेनरी, 'समय की पाबंदी' निबंध
अनुभव के उदाहरण	अम्माँ, दादा, हेडमास्टर की बूढ़ी माँ
छोटे का नया शौक	कनकौए (पतंग)

अंत

भाई साहब ने उछलकर कटे कनकौए की डोर पकड़ी

अभ्यास सेट (उत्तर अंत में)

A. रिक्त स्थान: 1. भाई साहब मुझसे _____ साल बड़े थे। 2. प्रेमचंद का पहला कहानी-संग्रह _____ ज़ब्त हुआ। 3. भाई साहब के अनुसार असल चीज़ है _____ का विकास। 4. हेडमास्टर साहब _____ के एम.ए. थे। 5. छोटे भाई को _____ उड़ाने का शौक था।

B. सही/गलत: 1. भाई साहब पहली बार में ही पास हो जाते थे। 2. छोटा भाई दोनों बार अव्वल आया। 3. दादा ने नौ आदमियों का परिवार चलाया। 4. भाई साहब को कनकौए उड़ाने से नफ़रत थी। 5. प्रेमचंद की कहानियाँ 'मानसरोवर' में संकलित हैं।

C. लघु उत्तरीय (2 अंक):

1. भाई साहब ने रावण, शैतान और शाहेरूम के उदाहरण क्यों दिए?
2. 'मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा': इससे भाई साहब क्या कहना चाहते थे?
3. छोटे भाई के मन में 'कुटिल भावना' क्या थी?
4. 'समय की पाबंदी' निबंध के प्रसंग से किस पर व्यंग्य है?
5. भाई साहब के अनुसार दादा अम्माँ हमसे अधिक समझदार क्यों हैं?
6. कहानी का अंत आपको कैसा लगा और क्यों?

D. विचारात्मक (3-4 अंक): 1. 'पढ़ाई और खेलकूद साथ-साथ चल सकते हैं': कहानी के आधार पर तर्क दीजिए। 2. बड़े भाई साहब एक आदर्श बड़े भाई हैं: सिद्ध कीजिए। 3. 'क्या परीक्षा पास कर लेना ही योग्यता का आधार है?' अपने विचार लिखिए।

E. अंतर्पाठीय: 'बड़े भाई साहब' और 'सपनों के-से दिन': दोनों में शिक्षा और खेल के प्रति बच्चों के दृष्टिकोण की तुलना कीजिए।

F. HOTS: यदि आप बड़े भाई साहब की जगह होते तो छोटे भाई को कैसे समझाते?

बहुविकल्पी प्रश्न: 20 MCQs

1. 'बड़े भाई साहब' के लेखक: (A) गुरदयाल सिंह (B) यशपाल (C) प्रेमचंद (D) राही मासूम रज़ा
2. प्रेमचंद का मूल नाम: (A) धनपत राय (B) नवाब राय (C) अतहर हुसैन (D) रामचरण दास
3. भाई साहब छोटे भाई से कितने साल बड़े थे? (A) तीन (B) चार (C) छह (D) पाँच
4. भाई साहब किस कक्षा में थे (आरंभ में)? (A) पाँचवीं (B) नौवीं (C) आठवीं (D) सातवीं
5. भाई साहब का पहला सवाल: (A) क्या पढ़ा? (B) कहाँ थे? (C) खाना खाया? (D) कब आए?
6. छोटे भाई के लिए एक घंटा किताब लेकर बैठना था: (A) आसान (B) ज़रूरी (C) मज़ेदार (D) पहाड़
7. टाइम-टेबिल में किसकी मद उड़ जाती? (A) खेलकूद (B) हिसाब (C) अंग्रेज़ी (D) भोजन
8. पहले सालाना इम्तिहान में: (A) दोनों फ़ेल (B) दोनों पास (C) भाई साहब फ़ेल, छोटा अव्वल (D) छोटा फ़ेल
9. घमंड के उदाहरण में कौन नहीं है? (A) शाहेरूम (B) रावण (C) शैतान (D) कंस
10. 'इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है': (A) अंक (B) बुद्धि का विकास (C) डिग्री (D) नौकरी
11. 'आठ-आठ हेनरी' किस विषय से जुड़े हैं? (A) गणित (B) विज्ञान (C) इंगलिस्तान का इतिहास (D) भूगोल
12. 'समय की पाबंदी' पर निबंध कितने पन्नों का? (A) चार (B) दो (C) तीन (D) एक

13. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई का नया शौक: 18. भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ आती है:
(A) क्रिकेट (B) कनकौए उड़ाना (C) तैराकी (D) संगीत (A) किताबों से (B) शिक्षकों से (C) परीक्षा से (D) अनुभव से
14. 'कनकौआ' का अर्थ: 19. अंत में भाई साहब ने क्या किया?
(A) कौआ (B) कंकड़ (C) पतंग (D) डंडा (A) छोटे भाई को मारा (B) उछलकर कटे कनकौए की डोर पकड़ी (C) पतंग फाड़ी (D) घर चले गए
15. हेडमास्टर साहब का घर कौन चलाती थीं?
(A) पत्नी (B) बहन (C) बेटा (D) बूढ़ी माँ
16. दादा ने कितने आदमियों का परिवार चलाया? 20. कहानी की भाषा की विशेषता:
(A) नौ (B) सात (C) आठ (D) पाँच (A) संस्कृतनिष्ठ (B) क्लिष्ट (C) मुहावरेदार (D) काव्यात्मक
17. 'दाँतों पसीना आना' का अर्थ:
(A) बहुत परिश्रम करना (B) दाँत दर्द (C) डरना (D) गर्मी लगना
- 1 (C) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (B) · 5 (B) · 6 (D) · 7 (A) · 8 (C) · 9 (D) · 10 (B) · 11 (C) · 12 (A) · 13 (B) · 14 (C) · 15 (D) · 16 (A) · 17 (A) · 18 (D) · 19 (B) · 20 (C)

कथन-कारण (6)

(A) दोनों सही, कारण सही व्याख्या। (B) दोनों सही, कारण सही व्याख्या नहीं। (C) कथन सही, कारण गलत। (D) कथन गलत, कारण सही।

- कथन: भाई साहब अपनी इच्छाएँ दबाते थे। कारण: उन्हें छोटे भाई के सामने आदर्श बने रहना था।
- कथन: छोटे भाई को भाई साहब से हमदर्दी हुई। कारण: फ़ेल होने से भाई साहब बहुत दुखी और उदास थे।
- कथन: भाई साहब एक साल का काम एक साल में कर लेते थे। कारण: वे बुनियाद पुख्ता करना चाहते थे।
- कथन: भाई साहब किताबी ज्ञान को अनुभव से बड़ा मानते थे। कारण: उन्होंने अम्माँ-दादा के अनुभव का उदाहरण दिया।
- कथन: छोटे भाई के मन में भाई साहब के प्रति श्रद्धा जागी। कारण: उसे उनके त्याग और कर्तव्य-भाव का एहसास हुआ।
- कथन: प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट कहा जाता है। कारण: उन्होंने कुछ समय बंबई की फ़िल्म नगरी में बिताया।

उत्तर: 1 (A) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (D) · 5 (A) · 6 (B)

उत्तर

गद्यांश अभ्यास. (i) B (ii) A (iii) B (iv) C

A. 1. पाँच 2. सोज़ेवतन 3. बुद्धि 4. ऑक्सफ़ोर्ड 5. कनकौए

B. 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत (जी ललचाता था) 5. सही

C. 1. यह समझाने के लिए कि घमंड बड़े-बड़ों का नहीं रहा; अव्वल आने पर घमंड न करे। 2. कक्षा में बराबरी हो सकती है, पर उम्र और अनुभव का अंतर नहीं मिटता; इसलिए उनका अधिकार बना रहेगा। 3. भाई साहब एक साल और फ़ेल हों तो मैं उनके बराबर हो जाऊँ। 4. व्यावहारिक, बेतुकी शिक्षा और परीक्षकों पर (चार पन्ने 'संक्षेप में')। 5. उन्हें दुनिया का अनुभव है; बीमारी, खर्च, घर का प्रबंध वे सहज सँभालते हैं। 6. स्वतंत्र (भाई साहब का बालसुलभ रूप, हास्य; मानवीय पक्ष)।

D. 1. छोटा भाई खेलते हुए भी अव्वल; संतुलन से दोनों संभव; खेल से स्फूर्ति। 2. कर्तव्यनिष्ठ, त्यागी, स्नेही, मार्गदर्शक, अनुभवी। 3. नहीं: व्यावहारिक ज्ञान, कौशल, नैतिकता, अनुभव भी आवश्यक (स्वतंत्र)।

E. दोनों पाठों में बच्चों को पढ़ाई बोझ और खेल प्रिय लगता है; 'बड़े भाई साहब' में डाँट भाई की, 'सपनों के-से दिन' में मास्टर्स की मार; दोनों में शिक्षा-व्यवस्था पर प्रश्न।

F. स्वतंत्र उत्तर।

अंतिम-रात सारांश (परीक्षा से पहले)

- प्रेमचंद (धनपत राय, 1880-1936), लमही; उर्दू में नवाब राय; सोज़ेवतन ज़ब्त; हंस, माधुरी; मानसरोवर (8 खंड); कथा/उपन्यास सम्राट।
- भाई साहब 5 साल बड़े (14/9), 3 दरजे आगे (नौवीं/पाँचवीं); अध्ययनशील, रटंत; 'बुनियाद पुख्ता'; पहला सवाल 'कहाँ थे?'; दिमाग के आराम को तसवीरें।
- छोटा: खेलप्रेमी, किताब = पहाड़; टाइम-टेबिल में खेल की मद गायब, पर पालन नहीं। दो बार: बड़ा फ़ेल, छोटा अव्वल।
- उपदेश: घमंड न करो (रावण, शैतान, शाहेरूम); 'इम्तिहान पास करना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ बुद्धि का विकास'; शिक्षा-व्यवस्था पर व्यंग्य (हेनरी, अलजबरा, समय की पाबंदी)।
- कनकौए का प्रसंग: अनुभव > किताबी ज्ञान (अम्माँ, दादा, हेडमास्टर की माँ); 'खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ'; अंत में उछलकर डोर पकड़ी: भीतर का बच्चा; बचपन का तिरोहित होना।